भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान

ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)

फोन / Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स / Fax : 0121-288 8546

ईमेल / Email: directoriifsr@yahoo.com

दिनांक– 20.06.2018

प्रगति रिपोर्ट

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व किसानों के बीच परिचर्चा का मुख्य आकर्षण रहा समेकित कृषि प्रणाली

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान मोदीपुरम मेरठ में दिनांक 20.06.2018 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व देश के किसानों के बीच परिचर्चा के सीधे प्रसारण को दिखाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व किसानों सहित कुल 150 लोगों ने भाग लिया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने संबोधन में किसानों की आय दोगुना करने हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे– प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, व अन्य योजनाओं व उनके लाभ के बारे में किसानों को अवगत कराया। परिचर्चा के दौरान माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश के 9 राज्यों के किसानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीधा संवाद किया। इसी दौरान उन्होंने कृषि प्रणाली संस्थान के छत्तीसगढ़ स्थित कांकेर केंद्र द्वारा अंगीकृत किसान श्री आसाराम जी से समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से अपनी आय दोगुना करने वाली सफलता की गाथा सुनी व कृषक की संपन्नता पर हर्ष व्यक्त किया। कई प्रगतिशील किसानों ने कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गीपालन के माध्यम से अपनी सफलता की गाथा भी प्रधानमंत्री जी को सुनायी जिसका देश के कई भागों में औषधीय महत्व भी है। कृषि प्रणाली संस्थान, मेरठ द्वारा देश के कई राज्यों में कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गी को किसानों में वितरित कर इसके अधिकाधिक उत्पादन की संभावनाओं पर अध्ययन किया जा रहा है।

कृषि प्रणाली संस्थान के निदेशक डॉ. आजाद सिंह पँवार ने सभी वैज्ञानिकों से किसानों से सीधे जुड़ने व समेकित कृषि प्रणाली के माध्यम से उनकी आजीविका सुदृढ़ करने की अपील की। माननीय प्रधानमंत्री व किसानों के बीच सीधे संवाद में कृषि प्रणाली विविधीकरण, समेकित कृषि प्रणाली, संरक्षण कृषि तरीकों जैसे– स्प्रिंकलर व टपक सिंचाई, कृषि मशीनीकरण, स्वयं सहायता समूह के माध्यम से सामूहिक खेती, पशुपालन, मुर्गीपालन, मछलीपालन, परंपरागत व जैविक कृषि, मृदा परीक्षण व मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से पोषण प्रबंधन, ट्रेंच विधि से गन्ने की बुवाई व गन्ने के साथ सहफसली खेती, समुद्री खरपतवार की खेती इत्यादि मुख्य आकर्षण रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर एन. सुभाष जी ने किया।

कार्यक्रम का संक्षिप्त आंकड़े नीचे की तालिका में दिये जा रहे हैं:

S. No.	Particulars	Numbers
1.	No. of participants attended the programme	150
2.	Photographs	Attached (4Nos.)
3.	Main highlights of the Programme	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, कृषि प्रणाली विविधीकरण, समेकित कृषि प्रणाली, संरक्षण कृषि तरीकों जैसे– स्प्रिंकलर व टपक सिंचाई, कृषि मशीनीकरण, स्वयं सहायता समूह के माध्यम से सामूहिक खेती, पशुपालन, मुर्गीपालन, मछलीपालन, परंपरागत व जैविक कृषि, मृदा परीक्षण व मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से पोषण प्रबंधन, ट्रेंच विधि से गन्ने की बुवाई व गन्ने के साथ सहफसली खेती, समुद्री खरपतवार की खेती इत्यादि